



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 100]

मई 1996, मंगलवार, मार्च 12, 1996/फाल्गुन 22, 1917

No. 100]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 12, 1996/PHALGUNA 22, 1917

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च 1996

सा.का.नि. 127(अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण का विनियमन) अध्यादेश, 1993 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इस अध्यादेश का संक्षिप्त नाम द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण का विनियमन (संशोधन) अध्यादेश, 1996 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण का विनियमन) अध्यादेश, 1993 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अध्यादेश कहा गया है) के खंड 3 के उप खंड (क) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि केन्द्रीय सरकार या किसी सरकारी तेल कंपनी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्थात् इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, किसी व्यक्ति को उसकी परिस्थितियों और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन एक से अधिक द्रवित पेट्रोलियम गैस कनेक्शन मंजूर कर सकेगी।”

(2) उक्त अध्यादेश के खंड 10क में उपखंड (1)(क) के परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक और स्पष्टीकरण रखा जाएगा अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि किसी ऐसे समानांतर विपणनकर्ता से जो किसी अन्य समानांतर विपणनकर्ता जिसने रेटिंग प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लिया है के अभिकर्ता के रूप में किरोसीन के परिवहन, वितरण और विक्रय का कारबार करता है, से कोई रेटिंग प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

स्पष्टीकरण :— इस खंड के प्रयोजन के लिए कोई समानांतर विपणनकर्ता किसी अन्य समानांतर विपणनकर्ता का अभिकर्ता तब माना जाएगा जब कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए दूसरे व्यक्ति ने पहले व्यक्ति को किसी विधिक लिखत द्वारा ऐसे अभिकर्ता के रूप में नियुक्त किया हो।

(3) उक्त आदेश के खंड 13 के स्थान पर निम्न-लिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“13” छूट देने की शक्ति :—यदि केन्द्रीय सरकार, कठिनाई को दूर करने के लिए या लोकहित में किसी विचार से यह आवश्यक समझे तो वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग को इस आदेश के सभी या किसी उपबन्ध से, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, साधारणतया या किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए छूट दे सकेगी।

[फा. पी.-45011/2/95-मार्केटिंग]

देवी दयाल, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल आदेश भारत के राजपत्र में सा.का.नि. सं. 529(अ) तारीख 3-8-1993 द्वारा प्रकाशित किया गया और सत्यमेव जयते

(1) सा.का.नि. सं. 6(अ) दिनांक 6-1-1994

(2) सा.का.नि. सं. 510(अ) दिनांक 19-6-1995 द्वारा संशोधित किया गया।

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 1996

G.S.R. 127(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Liquefied Petroleum Gas (Regulation of Supply and Distribution) Order, 1993, namely :—

1. (1) This Order may be called the Liquefied Petroleum Gas (Regulation of Supply and Distribution) (Amendment) Order, 1996.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Liquefied Petroleum Gas (Regulation of Supply and Distribution) Order, 1993 (hereinafter referred to as the said order) in clause 3, after sub-clause (a), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that the Central Government or the Chief Executive Officer of a Government

Oil Company, namely, Indian Oil Corporation Limited, Hindustan Petroleum Corporation Limited and Bharat Petroleum Corporation Limited may sanction more than one connection of liquefied petroleum gas under public distribution system in favour of any person, keeping in view the circumstances and the requirement of that person”.

(2) In the said order in Clause 10 A, after proviso to sub-clause (1) (a) the following proviso and ‘Explanation’ shall be inserted, namely :—

“Provided further that a parallel marketer carrying on the business of transportation, petroleum marketing distributing or selling of liquefied as an agent of another parallel marketer, who has obtained a rating certificate, shall not be required to obtain a rating certificate.”

Explanation : For the purpose of this clause, a parallel marketer shall be deemed to be an agent of another parallel marketer if the former is appointed as such agent for the above purposes by the latter through a legal instrument”.

3. In the said order for Clause 13, the following clause shall be substituted, namely :—

“13. Power to exempt.—The Central Government may, if it considers necessary, for avoiding hardship, or for any consideration of public interest, by notification in the Official Gazette, exempt any person or class of persons from all or any of the provisions of this Order, either generally or for any specific purpose subject to such conditions as may be specified in the notification”.

[File No. P-45011/2/95-Mkt.]

DEVI DAYAL, Jt. Secy.

### FOOT NOTE :

The Principal Order was published in the Gazette of India vide No. G.S.R. 529(E) dated 3-8-1993 and subsequently amended vide :—

1. G.S.R. No. 6(E) dated 6-1-1994
2. G.S.R. No. 510(E) dated 19-6-1995